HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : JULY 29, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. घरेलू मुद्रा के मूल्यह्रास (Depreciation) से अल्पकाल में चालू खाता शेष (Current Account Balance) में अनिवार्य रूप से सुधार होता है।
2. संभावित उत्पादन (Potential Output) से नीचे चल रही अर्थव्यवस्था में विस्तारवादी राजकोषीय नीति (Expansionary Fiscal Policy), लचीली विनिमय दर व्यवस्था के तहत हमेशा वास्तविक ब्याज दरों में वृद्धि का कारण बनती है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) कोई भी नहीं

(d) दोनों

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** 'J-वक्र प्रभाव' (J-curve effect) के कारण: मूल्यह्रास के बाद, आयात का मूल्य शुरू में बढ़ सकता है (अलोचदार मांग और पुराने अनुबंधों के कारण), जिससे सुधार होने से पहले चालू खाता और खराब हो जाता है। इसलिए अल्पकाल में सुधार अनिवार्य नहीं है।
- **कथन 2 भी गलत है:** उच्च पूंजी गतिशीलता (मुंडेल-फ्लेमिंग मॉडल) के साथ लचीली विनिमय दरों के तहत, विस्तारवादी राजकोषीय नीति अस्थायी रूप से ब्याज दरों को बढ़ाने, पूंजी प्रवाह को आकर्षित करने और मुद्रा को मजबूत करने की प्रवृत्ति रखती है, जो शुद्ध निर्यात को कम कर देती है; हालाँकि, मौद्रिक समायोजन या तरलता की स्थिति वास्तविक दरों को बढ़ने से रोक सकती है। अतः यह हमेशा वास्तविक ब्याज दरों में वृद्धि नहीं करती है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा एक सबसे अच्छी व्याख्या करता है कि कोई देश लंबे समय तक स्थिर रोजगार के साथ-साथ बढ़ती जीडीपी (GDP) वृद्धि का अनुभव क्यों कर सकता है?

(a) श्रम-प्रधान विनिर्माण से पूंजी-प्रधान सेवाओं की ओर संरचनात्मक बदलाव।

(b) कृषि में घटती श्रम उत्पादकता।

(c) अनौपचारिक क्षेत्र के रोजगार का विस्तार।

(d) कार्यशील आयु वाली जनसंख्या में वृद्धि।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

'रोजगार विहीन विकास' (Jobless growth) तब होता है जब उत्पादन का विस्तार पूंजी-प्रधान या उच्च-उत्पादकता वाले क्षेत्रों (जैसे वित्त, आईटी, स्वचालन-भारी उद्योग) द्वारा संचालित होता है जो सीमित श्रम जोड़ते हैं। ऐसे क्षेत्रों की ओर बदलाव आनुपातिक रोजगार लाभ के बिना जीडीपी बढ़ाता है। कृषि उत्पादकता में गिरावट या अनौपचारिक विस्तार से निरंतर उच्च जीडीपी विकास नहीं होगा; अकेले जनसंख्या वृद्धि जीडीपी और रोजगार के बीच के अंतर की व्याख्या नहीं कर सकती।

प्रश्न 3. भारत में मुद्रास्फीति माप के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हेडलाइन सीपीआई (CPI) मुद्रास्फीति तब भी गिर सकती है जब खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ती है, यदि ईंधन और मुख्य (Core) घटक पर्याप्त रूप से गिर जाते हैं।
2. जीडीपी डिफ्लेटर (GDP Deflator) मुद्रास्फीति, सीपीआई मुद्रास्फीति की विपरीत दिशा में जा सकती है क्योंकि वे अलग-अलग वस्तुओं और भार (Weights) को कवर करते हैं।
3. थोक मूल्य सूचकांक (WPI), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) की तुलना में सेवाओं को अधिक भार देता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** सीपीआई एक भारित औसत है; बड़े भार वाले ईंधन/कोर घटकों में गिरावट खाद्य पदार्थों की वृद्धि की भरपाई कर सकती है।
- **कथन 2 सही है:** सीपीआई (उपभोग) के विपरीत, जीडीपी डिफ्लेटर सभी घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुओं/सेवाओं (निवेश, सरकारी उत्पादन, निर्यात) को कवर करता है, इसलिए भिन्नता संभव है।
- **कथन 3 गलत है:** डब्ल्यूपीआई (WPI) काफी हद तक वस्तुओं (प्राथमिक, ईंधन, निर्मित) को कवर करता है और इसमें लगभग कोई सेवा शामिल नहीं होती है, जबकि सीपीआई में सेवाएं (आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा) शामिल होती हैं। इसलिए डब्ल्यूपीआई सेवाओं को अधिक भार नहीं देता है।

प्रश्न 4. सरकारी ऋण गतिशीलता (Government Debt Dynamics) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यदि नाममात्र जीडीपी (Nominal GDP) विकास दर सरकारी ऋण पर प्रभावी ब्याज दर से अधिक है, तो प्राथमिक घाटे (Primary Deficit) के बावजूद ऋण-जीडीपी अनुपात गिर सकता है।
2. राजकोषीय घाटे का विमुद्रीकरण (Monetisation) हमेशा सार्वजनिक ऋण-जीडीपी अनुपात को बढ़ाता है।
3. अल्पकालिक से दीर्घकालिक सरकारी प्रतिभूतियों में बदलाव 'रोलओवर जोखिम' को कम करता है लेकिन ब्याज लागत बढ़ा सकता है।
4. विदेशी मुद्रा में बाहरी संप्रभु उधार सरकार के लिए विनिमय-दर जोखिम को समाप्त करता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** यदि विकास > ब्याज (नकारात्मक स्नोबॉल प्रभाव) है, तो ऋण अनुपात गिरता है, भले ही कुछ प्राथमिक घाटा हो।

- **कथन 2 गलत है:** विमुद्रीकरण (केंद्रीय बैंक द्वारा वित्तपोषण) ऋण की संरचना को बदलता है (बाजार से केंद्रीय बैंक की ओर) लेकिन जरूरी नहीं कि कुल ऋण अनुपात को तुरंत बढ़ा दे; मुद्रास्फीति और विकास के प्रभाव अनुपात को कम भी कर सकते हैं।
- **कथन 3 सही है:** लंबी परिपक्वता रोलओवर जोखिम को कम करती है लेकिन आमतौर पर इसमें 'टर्म प्रीमियम' शामिल होता है → उच्च ब्याज लागत।
- **कथन 4 गलत है:** बाहरी उधार विदेशी मुद्रा जोखिम पैदा करता है, उसे समाप्त नहीं करता। जब ऋण विदेशी मुद्रा में होता है, तो मूल्यह्रास पुनर्भुगतान के बोझ को बढ़ाता है।

अंतिम स्पष्टीकरण: केवल कथन 1 और 3 सही हैं।

प्रश्न 5. अभिकथन (A): मुख्य रूप से स्थिर दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह द्वारा वित्तपोषित निरंतर चालू खाता घाटा (CAD), अस्थिर पोर्टफोलियो प्रवाह द्वारा वित्तपोषित घाटे की तुलना में आम तौर पर अधिक टिकाऊ माना जाता है।

कारण (R1): प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) जैसे दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह विदेशी मुद्रा में भविष्य के पुनर्भुगतान दायित्व पैदा करते हैं।

कारण (R2): वैश्विक वित्तीय स्थितियों के जवाब में पोर्टफोलियो प्रवाह तेजी से उलट सकता है, जिससे बाहरी भेद्यता (External Vulnerability) पैदा होती है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

(a) A सही है, R1 सही है, R2 सही है; और R1 और R2 दोनों A की सही व्याख्या हैं।

(b) A सही है, R1 गलत है, R2 सही है; और केवल R2, A की सही व्याख्या है।

(c) A गलत है, R1 सही है, R2 सही है।

(d) A सही है, R1 गलत है, R2 गलत है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **अभिकथन सही है:** स्थिर, गैर-ऋण-सृजन प्रवाह (FDI) द्वारा वित्तपोषित CAD, अस्थिर पोर्टफोलियो प्रवाह की तुलना में अधिक टिकाऊ होता है।
- **R1 गलत है:** एफडीआई बाहरी ऋण की तरह निश्चित विदेशी मुद्रा पुनर्भुगतान दायित्व नहीं बनाता है; इसका रिटर्न लाभप्रदता पर निर्भर करता है।

- **R2 सही है और A की व्याख्या करता है:** पोर्टफोलियो प्रवाह प्रतिवर्ती ("हॉट मनी") होते हैं, जिससे अचानक प्रवाह रुक सकता है और विनिमय दर पर दबाव पड़ सकता है। इसलिए केवल R2 ही A की व्याख्या करता है।

दैनिक अभ्यास प्रश्न - करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हाल ही में यूनेस्को (UNESCO) की अस्थायी सूची (Tentative List) में शामिल किए गए 'बौद्ध डायमंड ट्रायंगल' (Buddhist Diamond Triangle) में पूर्वी भारत में स्थित रत्नागिरी, ललितगिरि और उदयगिरि के स्थल शामिल हैं।
2. यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल होने से विश्व धरोहर सूची (World Heritage List) में अंकित होने के समान ही अंतर्राष्ट्रीय कानूनी सुरक्षा और वित्त पोषण तक पहुंच प्राप्त होती है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) कोई भी नहीं

(d) दोनों

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** "बौद्ध डायमंड ट्रायंगल" ओडिशा के जाजपुर क्षेत्र में रत्नागिरी-ललितगिरि-उदयगिरि के प्राचीन बौद्ध मठ परिसरों को संदर्भित करता है।
- **कथन 2 गलत है:** अस्थायी सूची केवल एक राज्य पक्ष (State Party) द्वारा प्रस्तुत की गई एक अनिवार्य सूची (Inventory) है; यह विश्व धरोहर का दर्जा, कानूनी सुरक्षा व्यवस्था या स्वचालित वित्त पोषण प्रदान नहीं करती है। केवल विश्व धरोहर सूची में अंकित स्थलों को ही वे लाभ प्राप्त होते हैं।

प्रश्न 2. हाल के समसामयिक मामलों में चर्चा में रही 'प्रथम राष्ट्रीय समन्वयकों की बैठक' (First National Coordinators' Meeting) मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस समूह से संबंधित थी?

(a) आसियान क्षेत्रीय मंच (ASEAN Regional Forum)

(b) शंघाई सहयोग संगठन (SCO)

(c) बिम्सटेक (BIMSTEC)

(d) ब्रिक्स (BRICS)

उत्तर: (b)

व्याख्या:

बीजिंग में आयोजित यह बैठक सांस्कृतिक/विरासत सहयोग (विश्व धरोहर नामांकन सहित) से संबंधित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) तंत्र की पहली राष्ट्रीय समन्वयकों की बैठक थी। यह आसियान, बिम्सटेक या ब्रिक्स समन्वयकों का मंच नहीं था।

प्रश्न 3. मायाबंदर में प्रस्तावित 'स्मार्ट फिशिंग हार्बर' (Smart Fishing Harbour) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मायाबंदर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उत्तर और मध्य अंडमान जिले में स्थित है।
2. स्मार्ट फिशिंग हार्बर पहल का उद्देश्य मछली उतारने (Landing), कोल्ड-चेन, प्रसंस्करण और बाजार की सुविधाओं को एक ही बंदरगाह आधारित बुनियादी ढांचे के तहत एकीकृत करना है।
3. यह परियोजना पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सागरमाला कार्यक्रम के तहत कार्यान्वित की जा रही है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** मायाबंदर शहर उत्तर और मध्य अंडमान जिले में स्थित है।
- **कथन 2 सही है:** स्मार्ट फिशिंग हार्बर को एकीकृत मत्स्य बुनियादी ढांचा केंद्रों के रूप में डिजाइन किया गया है–जिसमें लैंडिंग, नीलामी, कोल्ड स्टोरेज, प्रसंस्करण, रसद और मछुआरा सेवाएं शामिल हैं।
- **कथन 3 सही है:** इस तरह की बंदरगाह आधुनिकीकरण परियोजनाएं आमतौर पर मत्स्य पालन योजनाओं के साथ अभिसरण (Convergence) के माध्यम से सागरमाला कार्यक्रम के तहत ली जाती हैं। अतः तीनों कथन सही हैं।

प्रश्न 4. भारत के आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह इस बात पर जोर देता है कि भारत की मध्यम अवधि के विकास की स्थिरता केवल 'कारक संचय' (Factor Accumulation) बढ़ाने के बजाय 'कुल कारक उत्पादकता' (TFP) बढ़ाने पर निर्भर करती है।
2. यह जलवायु-अनुकूल कृषि और हरित औद्योगीकरण को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि पूरक विकास पथों के रूप में पहचानता है।
3. यह तर्क देता है कि निरंतर राजकोषीय सुदृढ़ीकरण (Fiscal Consolidation) विकास-ब्याज अंतर (Growth-Interest Differential) की परवाह किए बिना सार्वजनिक ऋण-जीडीपी अनुपात में कमी को स्वचालित रूप से सुनिश्चित करता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** हाल के सर्वेक्षण उच्च विकास को बनाए रखने के लिए उत्पादकता आधारित विकास (नवाचार, मानव पूंजी, रसद दक्षता) पर जोर देते हैं।

- **कथन 2 सही है:** सर्वेक्षण हरित संक्रमण और कृषि लचीलेपन को दीर्घकालिक विकास और खाद्य सुरक्षा के लिए एक-दूसरे के पूरक के रूप में देखता है।
- **कथन 3 गलत है:** ऋण की गतिशीलता विकास-ब्याज अंतर पर निर्भर करती है; यदि विकास कमजोर है या ब्याज लागत अधिक है, तो केवल राजकोषीय सुदृढ़ीकरण ऋण अनुपात गिरने की गारंटी नहीं देता है। अतः दो कथन सही हैं।

प्रश्न 5. पौधों की नई रिपोर्ट की गई प्रजाति 'होया नगाएन्सिस' (Hoya nagaensis) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एपोसायनेसी (Apocynaceae) परिवार से संबंधित है और भारत-म्यांमार जैव विविधता हॉटस्पॉट के लिए स्थानिक (Endemic) है।
2. होया (Hoya) प्रजाति के पौधे आमतौर पर अधिपादपीय (Epiphytic) या लिथोफाइटिक पर्वतारोही होते हैं जिन्हें 'वैक्स प्लांट' (Wax plants) के रूप में जाना जाता है।
3. किसी नई प्रजाति की खोज उसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूचियों के तहत स्वचालित रूप से सुरक्षा प्रदान करती है।
4. विशिष्ट उपनाम "नगाएन्सिस" (nagaensis) नागा हिल्स क्षेत्र में इसके प्रकार स्थान (Type Locality) को इंगित करता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** होया एपोसायनेसी परिवार में है; यह प्रजाति भारत-म्यांमार हॉटस्पॉट के भीतर पूर्वोत्तर भारत से रिपोर्ट की गई थी।
- **कथन 2 सही है:** होया प्रजातियां आमतौर पर एपिफाइटिक/लिथोफाइटिक पर्वतारोही ("वैक्स प्लांट") होती हैं।

- **कथन 3 गलत है:** वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत कानूनी सुरक्षा के लिए अनुसूचियों में स्पष्ट लिस्टिंग की आवश्यकता होती है; केवल खोज से सुरक्षा प्रदान नहीं होती है।
- **कथन 4 सही है:** वनस्पति उपनाम अक्सर स्थान को दर्शाते हैं; "नगाएन्सिस" नागा हिल्स/नागालैंड क्षेत्र को संदर्भित करता है। अतः तीन कथन सही हैं।

प्रश्न 6. समकालीन भू-राजनीति में 'रोजावा' (Rojava) क्षेत्र के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. यह मुख्य रूप से उत्तरी सीरिया में तुर्की और इराक की सीमाओं के साथ स्थित है।
2. फरात नदी (Euphrates River) इस क्षेत्र के कुछ हिस्सों से होकर बहती है।
3. इसकी सीमा सीधे भूमध्य सागर (Mediterranean Sea) से लगती है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** रोजावा उत्तरी सीरिया में स्वायत्त कुर्द-प्रशासित क्षेत्र को संदर्भित करता है।
- **कथन 2 सही है:** फरात नदी उत्तरी सीरिया से होकर गुजरती है, जिसमें कुर्द प्रशासन के तहत आने वाले क्षेत्र भी शामिल हैं।
- **कथन 3 गलत है:** रोजावा उत्तरी सीरिया के भीतर का जमीनी क्षेत्र है; सीरिया का भूमध्यसागरीय तट सुदूर पश्चिम (लाटाकिया-टार्टस) में स्थित है, जो रोजावा से सटा हुआ नहीं है। अतः दो कथन सही हैं।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

सामान्य अध्ययन - 1 (GS-1)

प्रश्न: बौद्ध धर्म के वैश्विक प्रसार और सांस्कृतिक विरासत के बावजूद भारतीय उपमहाद्वीप में इसका पतन हो गया। भारत में इसके पतन के लिए जिम्मेदार कारकों का परीक्षण कीजिए और भारतीय कला एवं समाज पर इसके निरंतर प्रभाव का आकलन कीजिए।

उत्तर:

बौद्ध धर्म, जिसकी उत्पत्ति छठी शताब्दी ईसा पूर्व में भारत में हुई थी और मौर्य तथा बाद के शासकों के संरक्षण में फला-फूला, दूसरी सहस्राब्दी ईस्वी तक अपनी मातृभूमि में धीरे-धीरे लुप्त हो गया, भले ही इसका विस्तार पूरे एशिया में होता रहा। यह पतन किसी एक कारण से नहीं बल्कि सामाजिक-धार्मिक, राजनीतिक और संस्थागत कारकों के मिलन का परिणाम था।

- **पहला, ब्राह्मणवादी हिंदू धर्म का पुनरुत्थान और सुदृढ़ीकरण:** हिंदू धर्म ने कई बौद्ध तत्वों को आत्मसात कर लिया। अहिंसा, कर्म और त्याग जैसी अवधारणाओं को हिंदू परंपराओं में एकीकृत किया गया, जबकि बुद्ध को स्वयं विष्णु के अवतार के रूप में स्वीकार कर लिया गया। इससे बौद्ध धर्म की सैद्धांतिक विशिष्टता और लोकप्रिय अपील कम हो गई।
- **दूसरा, शाही संरक्षण की हानि:** गुप्त काल के बाद बौद्ध संस्थानों को मिलने वाला राजकीय समर्थन कमजोर पड़ गया। बौद्ध धर्म नालंदा और विक्रमशिला जैसे महाविहारों के लिए राज्य की सहायता पर बहुत अधिक निर्भर था। क्षेत्रीय हिंदू राजवंशों और बाद के इस्लामी शासकों के उदय के साथ, संरक्षण अन्य दिशाओं में स्थानांतरित हो गया।
- **तीसरा, मठों की कठोरता और समाज से अलगाव:** समय के साथ, मठ केवल विद्वता के केंद्र बनकर रह गए और आम जनता से उनका जुड़ाव सीमित हो गया, जबकि हिंदू परंपराएं ग्रामीण समुदायों के अनुष्ठानों से अधिक जुड़ी हुई थीं।
- **चौथा, विदेशी आक्रमण:** 12वीं शताब्दी में पूर्वी भारत में मठों और विश्वविद्यालयों के विनाश ने निर्णायक प्रहार किया। बड़े संस्थागत मठ सैन्य हमलों के प्रति संवेदनशील थे, जिससे शिक्षकों, पांडुलिपियों और नेटवर्क का भारी नुकसान हुआ।

निरंतर प्रभाव:

पतन के बावजूद, बौद्ध धर्म ने एक गहरी विरासत छोड़ी है। **कला और वास्तुकला** में, स्तूप (सांची), चैत्य और विहार (अजंता, कार्ले), तथा गांधार-मथुरा मूर्तिकला परंपराओं ने भारतीय सौंदर्यशास्त्र को आकार दिया। कथात्मक नक्काशी के महत्व ने मंदिर प्रतिमा विज्ञान (iconography) को प्रभावित किया।

दर्शन में, बौद्ध तर्कशास्त्र (दिग्नाग, धर्मकीर्ति) और ज्ञानमीमांसा ने भारतीय बौद्धिक परंपराओं को समृद्ध किया। करुणा और अहिंसा के नैतिक आदर्शों ने भक्ति और बाद के सुधार आंदोलनों को प्रभावित किया। **समाज और राजनीति** में, अशोक का धम्म–नैतिक शासन, सहिष्णुता और कल्याण–आज भी एक आदर्श बना हुआ है। आधुनिक भारत का राष्ट्रीय प्रतीक (सारनाथ का सिंह स्तंभ) और चक्र (अशोक चक्र) इसी बौद्ध विरासत को दर्शाते हैं।

इस प्रकार, बदलते संरक्षण और आत्मसातीकरण के कारण भारत में बौद्ध धर्म का संस्थागत पतन तो हुआ, लेकिन इसकी नैतिक, कलात्मक और दार्शनिक छाप भारतीय सभ्यता को आज भी आकार दे रही है।

सामान्य अध्ययन - 2 (GS-2)

प्रश्न: एससीओ (SCO) जैसे बहुपक्षीय समूह तेजी से यूरेशियाई भू-राजनीति को आकार दे रहे हैं। शंघाई सहयोग संगठन में भारत के हितों और चुनौतियों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर:

शंघाई सहयोग संगठन (SCO), जिसमें चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान और मध्य एशियाई देश शामिल हैं, एक प्रमुख यूरेशियाई सुरक्षा और आर्थिक ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करता है। 2017 से भारत की एससीओ सदस्यता सामरिक अवसर प्रदान करती है, लेकिन साथ ही ढांचागत चुनौतियां भी पेश करती है।

भारत के हित:

1. **मध्य एशिया तक पहुंच और कनेक्टिविटी:** एससीओ संसाधन संपन्न मध्य एशिया के साथ जुड़ने के लिए एक कूटनीतिक मंच प्रदान करता है, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा और INSTC एवं चाबहार एकीकरण जैसी परियोजनाओं का समर्थन करता है।

2. **आतंकवाद विरोधी सहयोग:** एससीओ की क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS) सीमा पार आतंकवाद और कट्टरपंथ पर भारत की चिंताओं के अनुरूप है।

3. **बहुध्रुवीय कूटनीति:** एससीओ भारत को एक बहुपक्षीय परिवेश में रूस और चीन के साथ जुड़ने की अनुमति देता है, जिससे पश्चिमी गठबंधनों के साथ संतुलन बनता है और सामरिक स्वायत्तता मजबूत होती है।

4. **यूरेशियाई स्थिरता:** अफगानिस्तान में घटनाक्रम और नशीली दवाओं की तस्करी सीधे भारत को प्रभावित करती है; एससीओ संवाद तंत्र समन्वय का अवसर प्रदान करते हैं।

चुनौतियां:

1. **चीन-केंद्रित एजेंडा:** समूह अक्सर चीन-केंद्रित होता है, जिसमें 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (BRI) एजेंडे को आकार देता है, जिसका भारत संप्रभुता संबंधी चिंताओं (CPEC) के कारण विरोध करता है।
2. **भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता:** यह विशेष रूप से आतंकवाद की परिभाषाओं और संयुक्त बयानों पर सहमति को सीमित करती है।
3. **वैचारिक भिन्नता:** एससीओ अहस्तक्षेप और शासन सुरक्षा पर जोर देता है, जबकि भारत खुले हिंद-प्रशांत और नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन करता है।
4. **सीमित आर्थिक एकीकरण:** व्यापार और कनेक्टिविटी अभी भी कमजोर है, जिससे भारत के लिए ठोस आर्थिक लाभ कम हो जाते हैं।

आगे की राह:

भारत को चुनिंदा रूप से एससीओ का लाभ उठाना चाहिए—आतंकवाद विरोधी सहयोग और ऊर्जा कूटनीति को बढ़ाते हुए उन पहलों का विरोध करना चाहिए जो संप्रभुता को कमजोर करती हैं। समानांतर मिनी-लेटरल जुड़ाव (जैसे भारत-मध्य एशिया शिखर सम्मेलन) एससीओ की भागीदारी के पूरक हो सकते हैं।

सामान्य अध्ययन - 3 (GS-3)

प्रश्न: 'स्मार्ट फिशिंग हार्बर' जैसे मत्स्य पालन बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण भारत की नीली अर्थव्यवस्था (Blue Economy) को बदल सकता है। ऐसी पहलों के आर्थिक और पर्यावरणीय आयामों पर चर्चा कीजिए।

उत्तर:

भारत के पास विशाल समुद्री और अंतर्देशीय मत्स्य पालन क्षमता है, लेकिन रसद की कमजोरी और खंडित मूल्य श्रृंखलाएं आय को सीमित करती हैं। स्मार्ट फिशिंग हार्बर—जो कोल्ड चेन, प्रसंस्करण, भंडारण और बाजार पहुंच को जोड़ते हैं—नीली अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप हैं।

आर्थिक आयाम:

- **मूल्यवर्धन और आय स्थिरता:** कोल्ड स्टोरेज और प्रसंस्करण से मछुआरों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलता है और वे मजबूरी में कम दाम पर बेचने के बजाय लाभकारी बाजारों तक पहुंच पाते हैं।
- **कटाई के बाद के नुकसान में कमी:** मत्स्य पालन में 15-20% नुकसान का अनुमान है। कुशल हैंडलिंग और आइस प्लांट खराब होने की दर को कम करते हैं।
- **रोजगार सृजन:** प्रसंस्करण, रसद और गुणवत्ता परीक्षण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।
- **निर्यात प्रतिस्पर्धा:** आधुनिक बंदरगाह वैश्विक मानकों को पूरा करते हैं, जिससे समुद्री भोजन के निर्यात में वृद्धि होती है।

पर्यावरणीय आयाम:

- **पारिस्थितिक तनाव:** बंदरगाह विस्तार के लिए ड्रेजिंग और तटीय निर्माण से मैंग्रोव और मूंगा आवासों (Coral habitats) को नुकसान पहुँच सकता है। यदि विनियमित न किया जाए, तो अत्यधिक मछली पकड़ने से मछलियों की संख्या कम हो सकती है।
- **जलवायु परिवर्तन:** समुद्र के स्तर में वृद्धि और चरम मौसम तटीय बुनियादी ढांचे के लिए खतरा पैदा करते हैं।

सतत मार्ग:

स्मार्ट बंदरगाहों में पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित प्रबंधन–पकड़ने की सीमा, मौसमी प्रतिबंध और कचरा प्रबंधन प्रणाली–को एकीकृत करना चाहिए। डिजिटल निगरानी और ट्रैसेबिलिटी बाजार तक पहुंच और संरक्षण दोनों में सुधार करती है।

सामान्य अध्ययन - 4 (GS-4)

प्रश्न: रजोनिवृत्ति (Menopause) जैसे लिंग-विशिष्ट मुद्दों को संबोधित करने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियां सामाजिक वर्जनाओं और समानता के अंतराल को चुनौती देती हैं। ऐसी नीतियों को डिजाइन करने में शामिल नैतिक आयामों का परीक्षण कीजिए।

उत्तर:

ऐतिहासिक रूप से रजोनिवृत्ति जैसे मुद्दों की अनदेखी सामाजिक कलंक और महिलाओं की उम्र बढ़ने की अदृश्यता के कारण की गई है। इस संबंध में नीतियां न्याय, गरिमा और स्वायत्तता पर आधारित नैतिक विचार उठाती हैं।

- **समानता और न्याय:** स्वास्थ्य प्रणालियाँ अक्सर केवल प्रजनन आयु पर ध्यान केंद्रित करती हैं। नैतिक शासन के लिए जीवन के हर चरण में समान ध्यान देना आवश्यक है। रजोनिवृत्ति को संबोधित करना स्वास्थ्य पहुंच में प्रणालीगत भेदभाव को कम करता है।
- **गरिमा और कलंक मिटाना:** रजोनिवृत्ति चुप्पी और मिथकों से घिरी हुई है। नैतिक नीति को शिक्षा के माध्यम से इस प्राकृतिक जैविक परिवर्तन को सामान्य बनाना चाहिए ताकि महिलाओं के साथ कार्यस्थलों और समुदायों में भेदभाव न हो।
- **स्वायत्तता और सूचित विकल्प:** महिलाओं को हार्मोन थेरेपी और जीवनशैली के बारे में सटीक जानकारी की आवश्यकता होती है। नैतिक देखभाल बिना किसी दबाव के व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करती है।
- **गोपनीयता और संवेदनशीलता:** सेवाओं में गोपनीयता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता की रक्षा होनी चाहिए, विशेष रूप से रूढ़िवादी परिवेश में।

इस प्रकार, रजोनिवृत्ति पर केंद्रित स्वास्थ्य नीति केवल एक चिकित्सा हस्तक्षेप नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य में लैंगिक समानता और गरिमा के प्रति एक नैतिक प्रतिबद्धता है।

करेंट अफेयर्स (Current Affairs)

प्रश्न: महाराष्ट्र ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में देश का पहला समर्पित 'मेनोपॉज क्लिनिक' (रजोनिवृत्ति क्लिनिक) शुरू किया है। भारत की स्वास्थ्य प्रणाली के लिए इस पहल के महत्व, चुनौतियों और नीतिगत निहितार्थों पर चर्चा कीजिए।

उत्तर:

महाराष्ट्र की यह पहल भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य के एक उपेक्षित आयाम को संबोधित करने की दिशा में एक अग्रणी कदम है।

महत्व:

1. **स्वास्थ्य प्राथमिकता:** यह रजोनिवृत्ति को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में मान्यता देता है, जो स्वास्थ्य देखभाल को प्रजनन से आगे ले जाता है।
2. **एकीकृत देखभाल:** ये क्लीनिक ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय जोखिम और मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्क्रीनिंग प्रदान करते हैं। प्रारंभिक पहचान दीर्घकालिक बीमारी के बोझ को कम करती है।
3. **जागरूकता:** यह पहल वर्जनाओं को खत्म करती है और महिलाओं को उन लक्षणों के लिए मदद लेने के लिए प्रोत्साहित करती है जिन्हें अक्सर सामान्य मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

4. **निवारक स्वास्थ्य सेवा:** यह केवल उपचार के बजाय पोषण और जीवनशैली पर परामर्श देकर गैर-संचारी रोगों (NCD) के बोझ को कम करता है।

चुनौतियां:

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में पहले से ही कर्मियों की कमी है; विशेष सेवाओं के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण और संसाधनों की आवश्यकता होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में सांस्कृतिक बाधाएं इसके उपयोग को सीमित कर सकती हैं।

नीतिगत निहितार्थ:

इस मॉडल को आयुष्मान भारत के तहत 'हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स' में शामिल करके राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जा सकता है। क्लीनिकों से प्राप्त डेटा राष्ट्रीय दिशा-निर्देश तैयार करने में मदद कर सकता है। अतः, महाराष्ट्र के ये क्लीनिक लैंगिक समानता और समावेशी स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम हैं।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver